

टूर संदर्भ
LK2CK7W5JD

संस्कृति और विरासत (9 दिन)

9 दिन · 8 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह नौ दिवसीय दौरा श्रीलंका के सांस्कृतिक त्रिभुज, मध्य हाइलैंड्स और दक्षिण-पश्चिम तट को जोड़ता है, पूरे समय निजी चालक-निर्देशित वाहन द्वारा यात्रा करता है। यह डाम्बुल्ला में गुफा मंदिरों, पोलोन्नारुवा और सिगिरिया के लिए खुलता है, कंडी और नुवारा एलिया की पहाड़ी क्षेत्र में चलता है, फिर बेंटोटा पर तट पर समय के साथ समाप्त होता है कोलंबो लौटने से पहले प्रस्थान के लिए।

यात्रियों को द्वीप की प्राचीन राजधानियों और स्मारकों का वन्यजीवन और गांव के अनुभवों के साथ निकट दृश्य मिलता है: डाम्बुल्ला की गुफा मंदिर के भित्तिचित्र और बुद्ध की मूर्तियां, पोलोन्नारुवा के खंडहर, सिगिरिया की चट्टान का किला, मिन्नेरिया राष्ट्रीय पार्क में जीप सफारी और सिगिरिया के पास गांव की यात्रा बैल-गाड़ी की सवारी और कैटामरन की यात्रा के साथ। हाइलैंड्स में दौरा दांत रिलिक का मंदिर, कंडियन नृत्य शो, मातले के पास एक मसाला बगीचा, नुवारा एलिया के पास एक चाय कारखाना और पुरानी ब्रिटिश पहाड़ी शहर के माध्यम से एक पैदल यात्रा में शामिल है।

अंतिम दिन तट पर गति को स्थानांतरित करते हैं, कोसगोडा में एक कछुए के अंडे देखने की यात्रा, मधु नदी पर एक नाव की यात्रा, गले के पुरानी किला शहर के माध्यम से एक पैदल यात्रा और कोलंबो की शाम की यात्रा, हवाई अड्डे में स्थानांतरण से पहले। पूरे समय, दौरा एक निर्दिष्ट चालक-गाइड और निजी वातानुकूलित परिवहन के साथ चलाया जाता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 एयरपोर्ट → दाम्बुला

कोलंबो एयरपोर्ट पर पहुँचने पर Lakpura का चालक-गाइड आपसे मिलेगा और आपको दाम्बुला ले जाएगा, जहाँ होटल में चेक-इन के बाद गुफा मंदिर का दर्शन कराया जाएगा।



दाम्बुला गुफा मंदिर

दाम्बुला का यह सुवर्ण मंदिर पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है, जिसमें बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले भित्तिचित्र और पाँच प्रमुख गुफाओं में सैकड़ों बुद्ध एवं देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं, जिनमें दिव्य राजा की गुफा और महान राजा की गुफा शामिल हैं। गुफा परिसर से थोड़ी दूरी पर एक विशाल सुवर्ण बुद्ध प्रतिमा स्थित है।

Lankapic · CC BY 2.5



पिन्नावला एलिफेंट ऑर्फनेज

सबरागमुवा प्रांत में स्थित यह अनाथालय जंगल से बिछड़े या अनाथ हुए युवा हाथियों की देखभाल करता है, और आज यह विश्व के सबसे बड़े बंदी हाथी समूहों में से एक का घर है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 2 दाम्बुला → पोलोन्नरुवा → मिन्नेरिया → दाम्बुला

यह दिन प्राचीन नगर पोलोन्नरुवा की सैर और दोपहर बाद मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान में सफारी के लिए समर्पित है, जिसके बाद शाम को दाम्बुला वापसी होती है।



पोलोन्नरुवा

श्रीलंका की दूसरी प्रमुख प्राचीन राजधानी, जो 10वीं से 13वीं शताब्दी ईस्वी के बीच अपने चरम पर थी। यहाँ के खंडहरों में मुख्य आकर्षण हैं गल विहार, वातदागे, लोटस बाथ, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु से जुड़ी एक प्रतिमा।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0



मिन्नेरिया राष्ट्रीय उद्यान

इस उद्यान में जीप सफारी के दौरान झाड़ीदार भूमि और वनों में हाथियों के साथ-साथ अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेंगने वाले जीव और उभयचर देखने का अवसर मिलता है। मई से अक्टूबर के बीच यहाँ विशाल हाथियों के झुंड एकत्र होते हैं, जिसे 'ग्रेट एलिफेंट गैदरिंग' कहा जाता है।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 3 दाम्बुला → सिगिरिया → दाम्बुला

यह दिन सिगिरिया के शैल दुर्ग की सैर और पास के एक गाँव में ग्रामीण श्रीलंकाई जीवन के अनुभव के लिए रखा गया है।



सिगिरिया

5वीं शताब्दी ईस्वी का यह शैल दुर्ग राजा कस्यप द्वारा बनवाया गया था, जिसमें प्रवेश विशाल शेर के पंजों से बने द्वार से होता है। पर्यटक प्रसिद्ध अमर भित्तिचित्रों, सोपानयुक्त उद्यानों और अब भी कार्यरत जलाशयों के पास से होकर सुरंगों के माध्यम से पूर्व राजमहल तक पहुँचते हैं।

Wrobell · CC BY-SA 3.0

सिगिरिया ग्राम अनुभव

स्थानीय गाँव की इस यात्रा में बैलगाड़ी की सवारी, शांत झील पर कैटामरन की सैर, धान के खेतों में पैदल भ्रमण, पारंपरिक खाना पकाने का प्रदर्शन और कमल के पत्तों पर परोसा गया घर का बना भोजन शामिल है।

दिन 4 सिगिरिया → मातले → कैंडी

कैंडी जाते समय यह यात्रा मातले के पास एक मसाला बागान पर रुकती है, और कैंडी में शाम को हस्तकला प्रदर्शन और एक सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम शामिल है।



मसाला बागान, मातले

श्रीलंका की मसाला राजधानी के रूप में प्रसिद्ध मातले के पास एक मसाला और औषधीय बागान का निर्देशित भ्रमण धनिया, मिर्च, दालचीनी, इलायची और जायफल जैसे मसालों और उनके उपयोगों के साथ-साथ आयुर्वेद की बुनियादी जानकारी देता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

रत्न, लकड़ी-नक्काशी और बाटिक प्रदर्शन

कैंडी में रत्न तराशने, लकड़ी पर नक्काशी और बाटिक कला जैसी स्थानीय हस्तकलाओं के तकनीकी प्रदर्शन देखने का अवसर मिलता है।



कैंडियन सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम

इस एक घंटे के शाम के कार्यक्रम में पारंपरिक कैंडियन नृत्य, अग्नि और तलवार नृत्य, तथा ढोल वादन प्रस्तुत किया जाता है।

Arian Zwegers · CC BY 2.0

दिन 5 कैंडी → नुवारा एलिया

सुबह का समय कैंडी के दलदा मालीगावा (दंत अवशेष मंदिर) की सैर में बीतता है, इसके बाद पहाड़ियों से गुज़रते हुए नुवारा एलिया की यात्रा होती है, जिसमें रास्ते में एक जलप्रपात और चाय बागान पर रुकना शामिल है।



दंत अवशेष मंदिर

यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 16वीं शताब्दी में बुद्ध के पवित्र दंत अवशेष को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था, जिसमें चित्रित सभाकक्ष, नक्काशीदार स्तंभ और सुनहरी प्रतिमाएँ शामिल हैं।

A.Savin · FAL



रामबोडा जलप्रपात

रामबोडा जलप्रपात पर एक पड़ाव लिया जाता है, जो देश का 11वां सबसे ऊँचा जलप्रपात है।

A.Savin · FAL

चाय बागान और फैक्टरी

चाय बागान और फैक्टरी के निर्देशित भ्रमण में बताया जाता है कि सीलोन चाय किस तरह उगाई और संसाधित की जाती है, तथा 1850 के दशक में जेम्स टेलर द्वारा लूलेकोंडेरा एस्टेट में इसकी शुरुआत का इतिहास भी बताया जाता है।



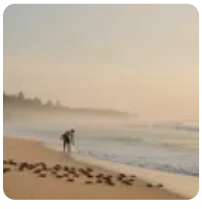
नुवारा एलिया नगर

इस पूर्व ब्रिटिश पहाड़ी रिसॉर्ट में शाम की सैर में वहाँ की कॉटेज, विला और हवेलियाँ, पुराना लाल-ईंट का डाकघर, क्वीन विक्टोरिया पार्क और ग्रेगरी झील के किनारे शामिल हैं।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 6 नुवारा एलिया → बेन्टोटा

यह दिन मुख्य रूप से पहाड़ी इलाके से तटीय नगर बेन्टोटा की यात्रा में बीतता है, जहाँ पहुँचने पर एक कछुआ हैचरी पर रुकना शामिल है।



कोसगोडा कछुआ हैचरी

दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित यह हैचरी पाँच संकटग्रस्त समुद्री कछुआ प्रजातियों के घोंसलों की रक्षा का कार्य करती है, और यहाँ आने वाले पर्यटक बच्चे कछुओं और देखभाल में रखे गए घायल वयस्क कछुओं को देख, छू और कभी-कभी खिला भी सकते हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 7 बेन्टोटा

सुबह समुद्र तट पर खाली समय बिताने के बाद मडु नदी पर नाव की सैर और पुराने किलेबंद नगर गॉल की यात्रा होती है।



मडु नदी नाव सफारी

बालापितिया के पास मैंग्रोव से घिरी मडु नदी पर नाव की सैर में धूप सेंकते मगरमच्छ और पानी के गोह, दालचीनी की कटाई वाला एक छोटा द्वीप, और मछली से मसाज का अनुभव देखने को मिलता है, साथ ही रास्ते में जलपक्षी भी दिखाई देते हैं।

SUPindia · CC BY-SA 4.0



गॉल किला

गॉल का यह पुराना औपनिवेशिक नगर, जो पहले पुर्तगाली और डच शक्ति का गढ़ था, एशिया के सबसे सुसंरक्षित किलेबंद स्थलों में से एक है, जहाँ संग्रहालय, एक लाइटहाउस और डच नामों वाली पथरीली गलियाँ मौजूद हैं।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0

दिन 8 बेन्टोटा → कोलंबो

कोलंबो में चेक-इन के बाद शाम का समय राजधानी की सड़कों और प्रमुख स्थलों को देखने के लिए खाली रहता है।



कोलंबो शहर भ्रमण

कोलंबो में शाम की सैर में ओल्ड लाइटहाउस, ओल्ड पार्लियामेंट, गॉल फेस होटल, गॉल फेस ग्रीन, गंगाराम मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे स्थल शामिल हैं, साथ ही इंडिपेंडेंस स्क्वेयर और रेस कोर्स के आसपास की दुकानें भी देखी जा सकती हैं।

Gihanud2001 · CC0

दिन 9 कोलंबो → बीआईए (BIA)

नाश्ते के बाद, अपनी प्रस्थान उड़ान के लिए एयरपोर्ट के लिए स्थानांतरण किया जाएगा।

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, Fuel, Parking & Highway tolls.
- Service of English-Speaking Chauffeur Guide.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation and Meals.
- Entrance fees to the respective sites.
- Chauffeur Guide's Accommodation.
- Expenses of personal nature.
- Visa and Related Expenses.